



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 400] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 17, 1977/भाद्र 26, 1899

No. 400] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 17, 1977/BHADRA 26, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation.

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

### ORDER

*New Delhi, the 17th September 1977*

**S.O. 672(E)/18FB/IDRA/77.**—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 36(E)/18FB/IDRA/73, dated the 19th January, 1973, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that the operation of all or any of the contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards or other instruments in force immediately before the publication of the said Order in the Official Gazette (other than those relating to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Indian Rubber Manufacturers Limited, Calcutta, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended upto the 18th January, 1974 and all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended upto the 18th January, 1974.

And, whereas the duration of the said Order was extended upto the 17th September 1977;

And, whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 18th January, 1978,

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto the 18th January, 1978

[No. F.25/5/72-CUC]

B. R. R. IYENGAR, Jt Secy

**उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)**

आदेश

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1977

का० आ० 672 (अ)/18-च ख/उ० वि० वि० अ०/77.—भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 36(असा०) 18 च ख/उ० वि० वि० अ०/73, तारीख 19 जनवरी, 1973 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) केन्द्रिय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषित किया था कि राजपत्र में उक्त आदेश के प्रकाशन के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी या किमी संविदा, सम्पत्ति के हस्तांतरण-पत्र, करार, समझौते, पचाट या अन्य लिखित का, जिसका मैमर्स इण्डियन रबड मैन्यफैक्चरर्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त उपक्रम को लागू हो या हो, प्रवर्तन 18 जनवरी, 1974 तक की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व तद्धीन प्रोव्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व 18 जनवरी, 1974 तक की अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे ;

और उक्त आदेश की कालावधि 17 सितम्बर, 1977 तक बढ़ा दी गई थी ,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की कालावधि 18 जनवरी, 1978 तक, जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, को और अवधि के लिए बढ़ी दी जानी चाहिए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की कालावधि 18 जनवरी, 1978 तक, जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, को और अवधि के लिए बढ़ाती है ।

[सं० फा० 25/5/72-सी०यू०सी०]

धो० आर० आर० अयंगर, संयुक्त सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977